जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 29 प्रभात कोटा, बुधवार, 12 नवम्बर, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सभी एग्ज़िट पोल एनडीए को आसानी से जीतता हुआ दिखा रहे हैं तथा महागठबंधन बहुत पीछे है

पर, एग्ज़िट पोल सदा सही हों, ऐसा नहीं है, 2024 के लोकसभा, 2015 के विधानसभा चुनाव में एग्ज़िट पोल के अंदाज़े काफी गलत साबित हुए थे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवंबर। अगर आठ एग्ज़िट पोल्स के अनुमान सही साबित होते हैं, तो एनडीए एक बार फिर सत्ता में वापसी करेगी और आरजेडी (राजद) के नेतृत्व वाले महागठबंधन को काफ़ी पीछे छोड़ देगी। दैनिक भास्कर के एग्ज़िट पोल के अनुसार, एनडीए को 145 से 160 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि महागठबंधन को 85 से 101 सीटें मिल सकती हैं। मैट्रिज़ के मुताबिक सत्तारूढ़ गठबंधन को 147 से 167 सीटें और महागठबंधन को 70 से 90 सीटें मिल सकती हैं। वहीं चाणक्य सर्वे ने एनडीए को 130 से 180 सीटें और महागठबंधन को 100 से 108 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है।

अतीत में ऐसी भविष्यवाणियाँ गलत साबित हुई हैं। जैसे 2024 के लोकसभा चुनाव और 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में हुआ था, लेकिन इस बार नीतीश कुमार की जेडीयू के बेहतर प्रदर्शन के आकलन गलत नहीं लगते। पी-मार्क नामक एजेंसी के अनुसार, भाजपा को 68 से 78 सीटें और जेडीयू को 62 से 72 सीटें मिलने की उम्मीद है। पिछले, 2020 के चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार चुनाव

एक्जिट पोल के अनुमान

क्र.सं.	न्यूज चैनल/एजेंसी	एनडीए	महागठबंधन	अन्य
1	चाणक्य	130-138	100-108	3-5
2	पीपुल पल्स	133-159	75-101	2-13
3	टाइम्स नॉऊ	143	95	5
4	मैट्रिज-आईएएनएस	147-167	70-90	0
5	पोल डायरी	184-209	32-49	1-5
6	पीपुल्स इनसाइट	133-148	87-102	3-8
7	जेवीसी चुनाव	135-150	88-103	3-6
8	पोलस्ट्रेट	133-148	87-102	3-5

- इस बार नीतीश की पार्टी का बहुत बेहतर प्रदर्शन रहेगा, एग्ज़िट पोल का यह अंदाज़ा सही उतरता नज़र आ रहा है।
- 2020 के विधानसभा चुनाव में नीतीश की पार्टी का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहा था और वो केवल 40 सीटों पर सिमट गई थी।

अध्यापक परीक्षा में बैठने वाला डमी प्रत्याशी गिरफ्तार

जयपुर, 11 नवंबर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए थर्ड ग्रेड अध्यापक परीक्षा में बैठने वाले डमी कैंडिडेट को गिरफ़्तार किया है। इसके आधार पर फेक तरीके से बने थर्ड ग्रेड अध्यापक की दौसा के सरकारी स्कूल में पोस्टिंग हुई थी। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी)) विशाल बंसल ने बताया कि स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए थर्ड ग्रेड अध्यापक परीक्षा में बैठने वाले डमी कैंडिडेट पुष्पेंद्र सिंह (22) निवासी राजाखेड़ा जिला धौलपुर को गिरफ़्तार किया है। एसओजी टीम गिरफ्तार आरोपी पुष्पेंद्र से पूछताछ कर रही है कि वह अन्य परीक्षाओं में कितनी बार डमी कैंडिडेट बना है।

- एसओजी पूछताछ कर रही है कि वह कितनी बार डमी प्रत्याशी बनकर परीक्षा में बैठा था।

बंसल ने बताया कि फर्जी तरीके से थर्ड ग्रेड अध्यापक बनने वाले आरोपित सचिन कुमार (22) निवासी कोलारी धौलपुर को पूर्व में गिरफ़्तार किया गया था। गिरफ़्तार आरोपित दौसा के सिकराय में राजकीय प्राथमिक स्कूल भोंदू का पुरा गांव पंचायत नाहरखोहरा में थर्ड ग्रेड टीचर के पद पर पोस्टेड था।

ट्रंप बीबीसी के खिलाफ सौ करोड़ डॉलर का मानहानि का दावा ठोकेंगे

कई कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह दावा ज्यादा ही महत्वाकांक्षी है और न्यायालयों में ज्यादा दिन नहीं टिक पाएगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

वॉशिंगटन, 11 नवंबर। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) के खिलाफ कानूनी मुकदमा करने और एक बिलियन डॉलर के हर्जाने का कानूनी दावा दायर करने की धमकी दी है।

कुछ कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह दावा अतिशयोक्तिपूर्ण है और अदालत में टिक नहीं पाएगा। हालांकि, वही विशेषज्ञ यह भी स्वीकार करते हैं कि ट्रंप मीडिया के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराने के लिए जाने जाते हैं और कई बार उन्हें मीडिया संगठनों से मुआवजा भी मिला है, जिससे उनके दावों को बल मिला।

तथापि, बीबीसी के खिलाफ ट्रंप के दावे अब तक के उनके सभी मामलों से कहीं ज़्यादा बड़े और अलग स्तर के माने जा रहे हैं। दुनिया भर में लगभग 20,000 लोगों को रोजगार देने वाला यह विशाल मीडिया संगठन इस बार ट्रंप के आरोपों को लेकर स्पष्ट रूप से असहज दिखाई दे रहा है।

- पर, यही विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि काफी समय से ट्रंप मीडिया के खिलाफ शिकायतें करते रहे हैं और न्यायालयों से मुकदमा जीत कर मीडिया प्रतिष्ठानों से आर्थिक दंड वसूल किये हैं।
- बीबीसी के चेयरमैन समीर शाह ने यह स्वीकार किया कि ट्रंप के भाषणों को जोड़कर पेश करना उचित नहीं था और वे व्यक्तिगत रूप से समय लेकर ट्रंप से अफसोस जाहिर करना चाहते हैं।
- ब्रिटेन की आम जनता की सहानुभूति बीबीसी के साथ है और वह इस बात को अनुचित मानती है, जिस प्रकार अमेरिकी प्रेसिडेंट बीबीसी को दबाने का प्रयास कर रहे हैं।
- अब तक किसी अमेरिकी प्रेसिडेंट ने ऐसा कभी नहीं किया।
- पर, बीबीसी को ब्रिटिश सरकार से सहानुभूति की आशा नहीं है, क्योंकि सरकार पहले ही ट्रंप के आगे नतमस्तक सी है।

कॉरपोरेशन के अध्यक्ष समीर शाह ने अत्यंत विनम्र रुख अपनाते हुए व्यक्तिगत रूप से माफी मांगने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारी कम्पिटीशन से ग्रस्त प्राइवेट टीवी चैनलों ने एक और ब्लंडर किया

ब्रीच कैंडी में स्वास्थ्य लाभ कर रहे धर्मेन्द्र को मृत घोषित कर दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवंबर। निजी टीवी चैनलों की तीव्र प्रतिस्पर्धा में बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र (89 वर्ष) के निधन की झूठी अफवाह फैला दी गई, जबकि वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती हैं।

नवासी वर्षीय धर्मेन्द्र, जो फूल और पत्थर, मेरा गाँव मेरा देश, शोले, खामोशी, जॉनी गद्दार और आने वाली फिल्म इक्कीस जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, एक समझदार कारोबारी भी हैं, जिनकी अनुमानित संपत्ति लगभग 335 करोड़ रूपये है।

- धर्मेन्द्र जीवित ही नहीं, अपने फलते-फूलते रेस्टोरेंट आदि के बिज़नेस को संचालित कर रहे हैं।

धर्मेन्द्र, जिन्हें अक्सर "ओरिजिनल ही-मैन" और "गरम धरम" कहा जाता है, ने फिल्म उद्योग में सबसे भरोसेमंद सितारों में अपनी जगह बनाने के बाद होटल और रेस्टोरेंट के कारोबार में कदम रखा।

उन्होंने सबसे पहले साल 2015 में नई दिल्ली में "गरम धरम ढाबा" नाम से रेस्टोरेंट शुरु किया। बिज़नेस इनसाइडर के अनुसार, 2022 में उन्होंने करनाल हाईवे पर "ही-मैन" नाम से एक और रेस्टोरेंट खोला।

धर्मेन्द्र मुंबई में अपने परिवार के साथ रहते हैं, लेकिन वे अक्सर लोनावाला स्थित अपने 100 एकड़ के विशाल फार्म हाउस पर जाते हैं, जो शहर की भागदौड़ से दूर एक शांत और खूबसूरत जगह है।

खबरों के अनुसार, वे अपने इस लोनावाला फार्म हाउस के पास एक रिसॉर्ट बनाकर होटल व्यवसाय को और आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।

पूर्व विधायक के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

जयपुर, 11 नवंबर। जयपुर मेट्रो-प्रथम की एसीजेएम कोर्ट ने इंदिरागांधी नगर में एक ही भूखंड को दो बार बेचान करने से जुड़े आरोप मामले में जालौर-भीनमाल के पूर्व एमएलए पूराराम चौधरी को गिरफ्तारी वारंट के जरिए 15 नवंबर को हाजिर करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने यह आदेश परिवादी रघु शर्मा के मामले में दिया। परिवादी ने आरोपी के खिलाफ ज्योति नगर पुलिस थाने में 2008 में धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी। हाईकोर्ट ने भी आरोपी के खिलाफ निचली कोर्ट के 7 अक्टूबर 2015 के आदेश से तय किए गए चार्ज को बरकरार रखा था।

- एक भूखंड को दो बार बेचने के मामले में जालोर-भीनलाम के पूर्व विधायक पूराराम चौधरी के खिलाफ वारंट जारी हुआ।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली बम विस्फोट में काम में लाई गई कार तीन घंटे तक पार्किंग लॉट में खड़ी थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में 24 फरवरी 1989 को जन्मा उमर मोहम्मद फरीदाबाद के अल फलाह मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर था।

जांच एजेंसियों का मानना है कि यह खबर मिलने के बाद उमर फरीदाबाद से भाग गया कि उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और पिछले कुछ दिनों में 2,900 किलो विस्फोटक जब्त किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, वह "घबरा गया" और उसने लाल किले के पास विस्फोट कर दिया। ज्ञातव्य है कि लाल किला सत्रहवीं सदी में मुगलों द्वारा बनाया गया ऐतिहासिक स्मारक है और देश के सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है।

सूत्रों ने बताया, "उमर मोहम्मद और उसके साथियों ने धमाका करने के लिए अमोनियम नाइट्रेट फ्यूल ऑयल (एएनएफओ) का इस्तेमाल किया। उन्होंने कार में डेटोनेटर लगाया और लाल किले के पास भीड़भाड़ वाले इलाके में आतंकी हमला कर दिया।"

- अपने साथियों की गिरफ्तारी की खबर से घबरा व हड़बड़ा कर उमर मोहम्मद ने कार को उड़ाने का निर्णय ले लिया था।

जांच से पता चला है कि यह कार कई लोगों के हाथों से गुजरी थी। सूत्रों के मुताबिक, मार्च 2025 में गुरुग्राम निवासी सलमान ने यह कार ओखला के रहने वाले देवेन्द्र को बेची थी। इसके बाद देवेन्द्र ने इसे अंबाला के एक व्यक्ति को बेच दिया।

अंबाला से यह कार पुलवामा पहुंची, जहां आमिर, तारिक और उमर राशिद के बीच संबंध सामने आए।

जांच में खुलासा हुआ कि आमिर ने यह कार उमर मोहम्मद को दी थी।

हरियाणा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आमिर और तारिक से दिल्ली पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि शाहीन शाहिद, जो इन सबके संपर्क में थी, भारत में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) की महिला विंग की स्थापना के लिए गुप्त रूप से काम कर रही थी।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की रहने वाली शाहीन को हरियाणा के फरीदाबाद में भारी मात्रा में विस्फोटक मिलने के मामले में गिरफ्तार किया गया। फरीदाबाद दिल्ली की सीमा से सटा हुआ शहर है।

हरियाणा की अल-फलाह यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर ने कहा कि हाल की घटनाओं से अब साफ हो गया है कि शाहीन किस गतिविधि में लगी हुई थी।

शाहीन को जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग "जमात-उल-मोमिनात" की भारत शाखा की जिम्मेदारी दी गई थी। इस संगठन की प्रमुख पाकिस्तान में जैश संस्थापक मसूद अज़हर की बहन सादिया अज़हर है।

शाहीन का संपर्क कश्मीरी डॉक्टर मुज़म्मिल गनई उर्फ मुसैब से था, जो उसी विश्वविद्यालय में काम करता था। गनई को फरीदाबाद में उसके दो किराए के कमरों से 2,900 किलो विस्फोटक और ज्वलनशील सामग्री बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया।

जांच में यह भी पाया गया कि जिस कार में एक असॉल्ट राइफल, एक पिस्तौल और गोला-बारूद रखा गया था, वह शाहीन शाहिद की थी। फरीदाबाद नंबर (एच आर 51) वाली मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार को पुलिस ने गनई से पूछताछ के बाद जब्त कर लिया और उसकी तलाशी ली। इन सभी घटनाओं को अब सोमवार को दिल्ली के लाल किले के पास हुए आत्मघाती हमले से जोड़ा जा रहा है, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई थी।

मुख्य सचिव सुधांश पंत प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली जाएंगे

जयपुर, 11 नवंबर (कासं)। राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत प्रतिनियुक्ति पर केन्द्र सरकार में जाएंगे, जहां 30 नवंबर को केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मौजूदा सचिव अमित यादव की सेवानिवृत्ति के बाद उनकी नियुक्ति प्रभावी होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नियुक्ति संबंधी कैबिनेट कमेटी ने सोमवार देर रात इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

ज्ञात रहे कि वर्ष 1991 बैच के वरिष्ठ आईएएस सुधांश पंत को राजस्थान में भजनलाल शर्मा की सरकार बनने के साथ ही 1 जनवरी 2024 से मुख्य सचिव बनाया गया था। इससे पूर्व भी वे केन्द्र सरकार के केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

- केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता सचिव अमित यादव की 30 नवंबर को सेवानिवृत्ति के बाद सुधांश पंत को इस पद पर लगाया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यपाल ने बृज विश्वविद्यालय के कुलगुरु को पद से हटाया

जयपुर, 11 नवम्बर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, के निलंबित कुलगुरू प्रो. रमेश चंद्रा को राज्य सरकार के परामर्श से कुलाधिपति के रूप में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से हटाने के आदेश जारी किए हैं।

- राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को आदेश जारी किये।

जारी आदेश के अंतर्गत महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के निलंबित कुलगुरू प्रो. रमेश चंद्रा के विरूद्ध विश्वविद्यालय अधिनियम/परिनियमों की पालना नहीं करने, विश्वविद्यालय संसाधनों/निधियों का दुरूपयोग करने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ट्रंप के अमेरिका पर विश्वास नहीं किया जा सकता'

रिज़र्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने शिकागो में एक सार्वजनिक मंच से कहा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। भारतीय रिज़र्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने एक महत्वपूर्ण बयान में कहा कि ट्रंप का वॉशिंगटन भरोसे लायक नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की दोस्ती तथा भारत और अमेरिका के बीच चल रहे टैरिफ युद्ध पर सवाल खड़े किये।

दोहरे मापदंड अपनाने के लिये वॉशिंगटन की आलोचना करते हुये, उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत के उत्पादों पर भारी शुल्क लगा रहा है, जबकि पाकिस्तान को कम दरों का लाभ दिया जा रहा है। राजन ने कहा कि अमेरिका की यह व्यापार नीति दोनों देशों के नेताओं के बीच दिखाए जाने वाले गर्मजोशी भरे संबंधों के विपरीत है।

शिकागो काउंसिल ऑन ग्लोबल अफेयर्स द्वारा 6 नवम्बर को आयोजित एक समारोह में बोलते हुये, राजन ने कहा, "जब अमेरिका भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा सकता है और पाकिस्तान पर केवल 19 प्रतिशत, तो फिर मोदी और ट्रंप के बीच की वह बहुचर्चित दोस्ती कहाँ है?"

राजन ने कहा कि इस कदम से भारत "बहुत निराश हुआ है और ट्रम्प का यह कदम दर्शाता है कि अमेरिका पर भरोसा नहीं किया जा सकता।"

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि भारत पिछले 20 वर्षों में अमेरिका के करीब आया था, और अब उसे गहरी निराशा हुई है। मैं नेतृत्व की बात नहीं कर रहा, मैं उन लोगों की बात कर रहा हूं, जो इस टैरिफ की मार झेल रहे हैं। मैं जख्म पर नमक नहीं छिड़कना चाहता, लेकिन जब पाकिस्तान पर 19 प्रतिशत और भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क है, तो मोदी-ट्रंप की वह दोस्ती कहां है, जिसकी बड़ी चर्चा होती रही है? यह मोदी के लिए अपमानजनक स्थिति है, क्योंकि भारत का विपक्ष उनसे पूछ रहा है - 'आपकी दोस्ती कहां गई?'"

- रघुराम के अनुसार, चीन से संबंध बनाने के लिए अमेरिका किसिंजर व निक्सन के जमाने में पाकिस्तान की ओर झुक गया था और अपना समुद्री बेड़ा हिंद महासागर में भेजा था 71 में। उस समय रूस ने भारत का पक्ष लिया था और अनुग्रहित होकर भारत रूस के खेमे में चला गया था।
- उस खेमे से बाहर निकलने में भारत को पच्चीस साल लगे।
- अब गत बीस साल से भारत, अमेरिका से मधुर संबंध बनाने के प्रयास में लगा था, पर, ट्रंप की अजीबो-गरीब टैरिफ नीति, जिसमें पाकिस्तानी सामान पर उन्नीस प्रतिशत और भारतीय सामान पर पचास प्रतिशत टैरिफ लगाया है, ने संबंधों को पीछे ढकेल दिया है। अतः अब भारत-अमेरिका पर विश्वास नहीं कर सकता।

राजन ने कहा कि भारत को दुनिया का सबसे ज्यादा, चीन से ज्यादा, शुल्क झेलने वाला देश नहीं होना चाहिए, जबकि अमेरिका लगातार "सैन्य दोस्ती, रणनीतिक गठजोड़ और संयुक्त अभ्यासों" की बातें करता रहता है। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें लोगों के मन में लंबे समय तक बनी रहती हैं।

राजन ने आगे कहा, "अमेरिका पर भरोसा नहीं किया जा सकता।" उन्होंने याद दिलाया कि 1970 के दशक में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन और विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर ने 1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान का साथ दिया था। उन्होंने कहा, "उन्होंने युद्ध रोकने और पाकिस्तान की मदद के लिए सातवां अमेरिकी बेड़ा भेजा था। भारतीय तब बहुत नाराज़ हुए थे, और सोवियत संघ ने भारत की मदद की थी। इस कारण भारत 25 साल तक सोवियत गुट में रहा।" उन्होंने आगे कहा कि "भारत को उस गठबंधन से बाहर निकलने में काफी समय लगा।"

मोदी सरकार के सीमित विदेश नीति विकल्पों की ओर इशारा करते हुए राजन ने कहा कि दोनों देशों के बीच मौजूदा संबंधों को देखते हुए भारत शायद चीन पर निर्भर न रहे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)